आईसीएआर-निनफेट, कोलकाता ने अपना 86वां स्थापना दिवस मनाया

3 जनवरी, 2024, कोलकाता

आईसीएआर-नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ नेचुरल फाइबर इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, कोलकाता का 86वां स्थापना दिवस आज हर्षोल्लास से मनाया गया।

डॉ. एस.एन. झा, उप महानिदेशक (कृषि इंजीनियरिंग), आईसीएआर ने मुख्य अतिथि के रूप में इस अवसर की शोभा बढ़ाई और 2023 के दौरान उनकी उल्लेखनीय उपलब्धियों के लिए निदेशक और पूरे स्टाफ की सराहना की। उन्होंने विकसित प्रौद्योगिकियों के आर्थिक प्रभाव मूल्यांकन पर जोर दिया है।

उद्घाटन कार्यक्रम के लिए परिचयात्मक टिप्पणियाँ डॉ. एस. देबनाथ, प्रमुख, एमपी डिवीजन और आयोजन सचिव द्वारा दी गईं।

डॉ. डी.बी. शाक्यवार, निदेशक, आईसीएआर-निनफेट ने अपने स्वागत भाषण में पिछले एक वर्ष की प्रमुख उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए संस्थान की यात्रा का एक सिंहावलोकन प्रस्तुत किया। उनके सम्बोधन में संस्थान स्टाफ सदस्यों द्वारा किये गये योगदान की सराहना की गयी।

आईसीएआर के सहायक महानिदेशक (प्रोसेस इंजीनियरिंग) डॉ. नरसैया कैरम ने स्थापना दिवस व्याख्यान दिया। उन्होंने संस्थान की एनएबीएल मान्यता के लिए निदेशक और संबद्ध वैज्ञानिकों के प्रयासों की सराहना की है। उन्होंने संस्थान के अनुसंधान एवं विकास आउटपुट की बेहतर स्वीकार्यता के लिए अंतरराष्ट्रीय मानकों के विकास पर भी जोर दिया है।

आईसीएआर-सीआरआईजेएएफ के निदेशक डॉ. गौरंगा कर ने स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर आईसीएआर-एनआईएनएफईटी के स्टाफ सदस्यों को बधाई दी है और बेहतर आउटपुट के लिए अपने संस्थान के साथ और अधिक सहयोग करने का आग्रह किया है।

श्री भारतीय जूट निगम के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक, अजय कुमार जॉली ने अपने संबोधन में, जूट उत्पादकों और प्रोसेसरों के बीच विस्तार गतिविधियों के निष्पादन के लिए निनफेट और जेसीआई के बीच सहयोग की सराहना की।

अटारी, कोलकाता के निदेशक डॉ. प्रदीप डे ने अपने संबोधन में हितधारकों के बीच बेहतर पैठ के लिए अधिक से अधिक प्रौद्योगिकी प्रसार गतिविधियों की आवश्यकता के बारे में बात की है।

संस्थान प्रकाशन अर्थात. मंच पर उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों द्वारा वार्षिक रिपोर्ट, अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की पहली घोषणा और मानव संसाधन विकास प्रशिक्षण कैलेंडर जारी किया गया।

वर्ष के सर्वश्रेष्ठ कर्मचारियों को विभिन्न श्रेणियों में प्रशंसा प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। मल्टी-फाइबर एक्सट्रैक्टर पर प्रौद्योगिकी के हस्तांतरण के संबंध में आईसीएआर-निनफेट, कोलकाता और मेसर्स फ्रैंकटेक्स एंटरप्राइजेज, कोलकाता के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए।

इस शुभ अवसर के दौरान, लिग्नोसेल्यूलोज जैव प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला, एनएबीएल मान्यता प्राप्त फाइबर परीक्षण प्रयोगशाला के साथ-साथ अन्य नव निर्मित सुविधाओं का उद्घाटन गणमान्य व्यक्तियों द्वारा किया गया। आईसीएआर संस्थानों/ केवीके/ एफपीसी/ उद्यम का प्रतिनिधित्व करने वाले प्रदर्शनी स्टालों का उद्घाटन दिन का एक और प्रमुख कार्यक्रम था। गुणवत्ता मूल्यांकन एवं सुधार प्रभाग के प्रमुख और हॉल प्रबंधन समिति के अध्यक्ष डॉ. अविजीत दास ने उद्घाटन कार्यक्रम के अंत में हार्दिक धन्यवाद प्रस्ताव दिया।

दोपहर के सत्र में "प्राकृतिक फाइबर क्षेत्र में प्रतिमान बदलाव" पर एक आमंत्रित सेमिनार आयोजित किया गया था, जहां डॉ. डी.बी. शाक्यवार, निदेशक, आईसीएआर-निनफेट, कोलकाता और डॉ. नचिकेत कोटवालीवले, निदेशक, आईसीएआर-सिफेट, लुधियाना ने व्याख्यान दिया। प्राकृतिक रेशों पर उभरते मुद्दे। सेमिनार के बाद डॉ. शदानन पटेल, एमेरिटस प्रोफेसर और डॉ. राजीव वार्ष्णेय, निदेशक, आईआईसीटी, भदोई की अध्यक्षता में एक पैनल चर्चा हुई।

इस कार्यक्रम में स्टाफ सदस्यों, पूर्व कर्मचारियों, छात्रों, उद्यमियों, किसानों, मेहमानों और मीडिया प्रतिनिधियों सहित लगभग 350 लोगों ने भाग लिया।

(सूत्र: आईसीएआर- राष्ट्रीय प्राकृतिक रेशा अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी संस्थान, कोलकाता)

ICAR-NINFET, Kolkata Celebrates its 86th Foundation Day

3rd January, 2024, Kolkata

The 86th Foundation Day of the ICAR-National Institute of Natural Fibre Engineering and Technology, Kolkata was joyously celebrated today.

Dr. S. N. Jha, Deputy Director General (*Agricultural Engineering*), ICAR has graced the occasion as the Chief Guest and commended the Director and the entire staff for their remarkable achievements during 2023. He has emphasized upon the economic impact assessment of the technologies developed by the institute.

The introductory remarks for the inaugural programme were given by Dr. S. Debnath, Head, MP Division & Organizing Secretary.

Dr. D. B. Shakyawar, Director, ICAR-NINFET in his welcome address has presented an overview of the Institute's journey, highlighting the major achievements in the past one year. The contributions made by the institute staff members were appreciated in his address.

Dr. Narsaiah Kairam, Assistant Director General (*Process Engineering*), ICAR has delivered the foundation day lecture. He has appreciated the efforts of Director and associated scientists for NABL accreditation of the institute. He has further emphasized upon the development of international standards for better acceptability of institute R&D outputs.

Dr. Gouranga Kar, Director, ICAR-CRIJAF has congratulated the staff members of ICAR-NINFET on the occasion of the foundation day celebration and urged for more collaboration with his institute for better outputs.

Shri. Ajay Kumar Jolly, Chairman and Managing Director, Jute Corporation of India, in his address, appreciated the collaboration between NINFET and JCI for execution of extension activities amongst the jute growers & processors.

Dr. Pradip Dey, Director, ATARI, Kolkata in his address has spoken about the need of more and more technology dissemination activities for better penetration amongst the stakeholders.

Institute publications viz. Annual report, First Announcement of International Conference & HRD training calendar were released by the dignitaries on dais.

Certificates of appreciation in different categories were presented to best employees for the year. A Memorandum of Understanding (MoU) was signed between ICAR-NINFET, Kolkata & M/s Franktex Enterprices, Kolkata regarding the transfer of technology on Multi-Fibre Exstractor.

During this auspicious occasion, Lignocellulose Biotechnology Laboratory, NABL Accredited Fibre Testing Laboratory along with other newly created facilities was inaugurated by the dignitaries. Inauguration of exhibition stalls representing ICAR institutes/KVKs/FPCs/Enterprise was another highlighting event of the day. Dr. Avijit Das, Head of Quality Evaluation & Improvement Division and Chairman of the Hall Management Committee has proposed hearty vote of thanks at the end of the inaugural programme.

An invited seminar on "*Paradigm shift in natural fibre sector*" was organized in the afternoon session where Dr. D B. Shakyawar, Director, ICAR-NINFET, Kolkata & Dr. Nachiket Kotwaliwle, Director, ICAR-CIPHET, Ludhiana have delivered lectures on emerging issues on natural fibres. The seminar was followed by a panel discussion chaired by Dr. Shadanan Patel, Emeritus Professor and Dr. Rajeev Varshney, Director, IICT, Bhadoi.

About 350 persons including staff members, ex-employees, students, entrepreneurs, farmers, guests and media representatives have participated in this event.

(Source: ICAR- National Institute of Natural Fibre Engineering and Technology, Kolkata)